सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 10 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 104, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड डीजल चोर माफियाओं पर भारी पड़ी स्वराज इंडिया की खबर... » Pg03

आंधी-बारिश सीएम ने दिए जिलाधिकारियों को भ्रमण और सर्वे के निर्देश

» Pg12

सीतापुरः पुलिस ने 34 दिन बाद किया खुलासा

भाड़े के हत्यारों ने की थी पत्रकार राघवेंद्र की हत्या

पांच साजिशकर्ता बेनकाब, पुजारी समेत तीन गिरफ्तार, दो शूटर फरार, दुष्कर्म छुपाने को लेकर कराया मर्डर

राघवेंद्र ने पुजारी को नाबालिग किशोर से दुष्कर्म करते देख लिया था

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

» आर.पी. सिंह, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

सीतापुर। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड का 34 दिनों के बाद बृहस्पतिवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस हत्याकांड में शामिल पांच लोगों का चेहरा बेनकाब हुआ है। पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता व सुपारी लेने वाले दो लोगों इमलिया सुलतानपुर के रामपुर नयागांव के निर्मल सिंह व हरिकिशनपुर के असलम गाजी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि, वारदात करने वाले दो शूटर अभी नहीं पकड़े जा सके हैं। इनकी तलाश में एसटीएफ और पुलिस की टीमें गैर प्रांतों में दबिश दे रही हैं। उन्हें पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की तीन टीमों के अलावा एसटीएफ की सात टीमों ने नोएडा के आसपास डेरा डाला हुआ है। महोली इलाके के एक मंदिर के पुजारी रामकोट के अहाता कप्तान हबीबपुर निवासी विकास राठौर उर्फ शिवानंद ने राज उजागर होने की आशंका के चलते चार लाख रुपये की सुपारी देकर हत्या कराई थी।

पुलिस ने विकास राठौर के पास से दो मोबाइल, चांदी के 35 सिक्के, पीली धातु की दो चेन, चार अंगूठी आदि, निर्मल से 17 हजार की नकदी व मोबाइल, असलम गाजी के पास से 15 हजार की नकदी व एक छोटा कीपैड मोबाइल बरामद किया है।

महोली निवासी पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी की 8 मार्च को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हेमपुर ओवरब्रिज पर चार गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से ही एसपी चक्रेश मिश्र के निर्देश पर क्राइम ब्रांच निरीक्षक सत्येंद्र विक्रम सिंह के नेतृत्व में तीन टीमों को खुलासे के लिए लगाया गया। वहीं, एएसपी डॉ प्रवीण रंजन सिंह के नेतृत्व में कुल 12 टीमों ने अपनी जांच शुरू की। 34 दिनों में एक हजार से अधिक नंबरों को रडार पर लिया गया। वहीं, सवा सौ संदिग्धों से पूछताछ की गई। टीमों ने करीब 250 सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले।

पुलिस ने धान सिंडिकेट, खीरी में एक शख्स से करीबी के साथ साथ कारेदेव बाबा मंदिर में राघवेंद्र संग एक पुजारी की करीबियों के एंगल पर पड़ताल शुरू की। सीसीटीवी कैमरों में दो लोग कारेदेव बाबा मंदिर, राघवेंद्र के घर के आसपास और महोली कस्बे में संदिग्ध रूप से घूमते नजर आए। इन पर शक पुख्ता होते ही गहनता से जांच की गई। पूछताछ में कारेदेव बाबा मंदिर के पुजारी शिवानंद बाबा उर्फ विकास राठौर, उनके करीबी निर्मल सिंह और असलम गाजी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि राघवेंद्र के हाथ शिवानंद बाबा के कुछ ऐसे राज लग गए थे। जिससे उनकी काफी बदनामी होती। इसका जिक्र शिवानंद ने अपने करीबी निर्मल सिंह से किया। निर्मल सिंह ने असलम गाजी की मदद से दो शूटरों को राघवेंद्र की सुपारी दी। इसके बाद रेकी कर शूटरों ने राघवेंद्र की हत्या कर दी।

फाइल फोटोः मृतक पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी

भाड़े के हत्यारे निर्मल सिंह व हरिकिशनपुर के असलम गाजी

सफेदपोश के नाम की चर्चा

इस हत्याकांड में पुजारी के पीछे एक सफेदपोश का हाथ होने की चर्चा है। कुछ संदिग्ध रडार पर हैं। उनकी पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द पुलिस उन पर भी शिकंजा कसेगी।

नाम बदलकर रहता था सहायक आरोपी पुजारी

पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड में मुख्य साजिशकर्ता सीतापुर निवासी विकास राठौर नाम बदलकर विकास मिश्रा उर्फ शिवानंद के नाम से मंदिर के मुख्य पुजारी का सहायक बनकर रहता था। मंदिर में तंत्र-मंत्र, अनुष्ठान एवं अन्य प्रकार की कार्यवाइयों में शामिल रहता था। कई लोगो विकास की बातों के जाल में फंस जाते थे।

नाबालिग से संबंध के खुलासे डर गया था

पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी पिछले चार-पांच महीनों से उक्त मंदिर पर आते रहते थे जिस पर मुख्य साजिशकर्ता विकास नाम बदलकर सहायक पुजारी बना अपने अनैतिक कार्यों को अंजाम देता था। पुलिस द्वारा बताया गया कि फरवरी माह में राघवेंद्र ने विकास राठौर को एक नाबालिग किशोर के साथ आप्रकृतिक संबंध बनाते हुए देख लिया था। जिसका खुलासा पुलिस पूछताछ में खुद विकास उर्फ शिवानंद ने किया।

पत्रकार राघवेंद्र द्वारा जब किशोर से दुष्कर्म की बात अखबार में छापने की बात पुजारी विकास से की तो उसे अपनी प्रतिष्ठा धूमिल होने का डर सताने लगा। विकासव मंदिर से होने वाली आमदनी को खोना नहीं चाहता था। इसी को आधार बनाकर पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड का तानाबाना बुना गया था।

शहर कांग्रेस में कलह: आलोक मिश्रा ने महानगर अध्यक्ष के खिलाफ़ उगला जहर

» गुजरात में चल रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में आलोक मिश्रा ने कहा 'जिसका एक लड़का सपा में–दूसरा क्ष्छक में है, क्या वह शहर अध्यक्ष के लायक है?'

» गुटबाजी के चलते लगातार कांग्रेस की स्थिति हो रही खराब

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर कानपुर कांग्रेस के अंदर एक बार फिर से गुटबाजी चरम पर दिख रही है। पार्टी के गुजरात में चल रहे राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने कानपुर से गए कांग्रेस नेता आलोक मिश्र ने मंच से ऐसी बात कही, जिससे चल रही अंदरूनी कलह को सामने ला दिया. गुजरात में चल रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में कांग्रेस नेता आलोक मिश्र ने सीधे तौर पर बिना नाम लिए महानगर कांग्रेस कमेटी के नव मनोनीत अध्यक्ष पवन गुप्ता को निशाने पर इलाके कई शब्दवार किए।

हालांकि, उन्होंने यहां पर किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन इतना जरूर कहा कि जिसका एक लड़का समाजवादी पार्टी में हो और दूसरा लड़का भाजपा में हो, क्या वह शख्स जिलाध्यक्ष के लायक है. आलोक मिश्र ने कहा कि अगर वह इस लायक है तो हम भी आपको स्वीकार करते हैं.।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को संबोधित करते हुए आलोक मिश्र ने कहा कि 1982 से कांग्रेस में हैं. उन्होंने कहा कि हम लोग बीजेपी से बाद में लड़ते हैं लेकिन पहले आपस में ही लड़ते हैं. एक बार फैसला होना चाहिए कि जो ऊपर से तय हो जाएगा, वह सभी को स्वीकार होगा. उन्होंने कहा कि खड़गे जी और राहुल जी आप भाजपा को हटाना चाहते हैं, कांग्रेस के अंदर जो भाजपा के लोग हैं उन्हें हटाना चाहते है।

लेकिन जिसका एक लड़का सपा में और दूसरा लड़का भाजपा में हो, क्या वो शहर अध्यक्ष के लायक है. इस दौरान लोकसभा में खुद को मिले 4.22 लाख वोटों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 1947 से आज तक कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में कानपुर में इतना वोट नहीं मिला. इसके बाद बोले कि आपने शहर अध्यक्षों को जो सत्ता दी है, उसे स्वीकार करते हैं।

लेकिन इतना तय होना चाहिए कि जो शहर अध्यक्ष या जिलाध्यक्ष होगा, वह चुनाव के लिए आवेदन नहीं करेगा, केवल संगठन का काम करेगा. जिलाध्यक्ष खुद चुनाव का कैंडीडेट बन जाएगा तो संगठन कैसे चलेगा.

पवन गुप्ता शहर कांग्रेस अध्यक्ष

पूर्व सांसद प्रत्याशी आलोक मिश्रा

स्कूलों के आंदोलन से आलोक मिश्रा बौखलाए हैं: पवन गुप्ता

कानपुर में कांग्रेस काफी अरसे बाद निजी स्कूलों और स्टेशनरी दुकानदारों के बीच चल रही मिली भगत से अभिभावकों के साथ खड़ी दिखाई दी। कांग्रेस के मनोनीत अध्यक्ष पवन गुप्ता व ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में डीएम कार्यालय में प्रदर्शन कर स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। इस पर डीएम ने कमेटी बनाकर ऐसे स्कूलों पर एक्शन लेने के निर्देश दिए हैं। पवन गुप्ता का आरोप है कि इसी के चलते आलोक मिश्रा ऐसी बातें कर रहे हैं क्योंकि वह खुद पब्लिक स्कूल चलाते हैं। मेरे बेटे साथ हैं वह कांग्रेस के लिए जुटे हुए हैं।

श्री दिगम्बर जैन विद्यालय में विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सार्वजनिक शांति, सद्भावना और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा विश्व भर में एक साथ एक समय पर विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन के तत्वाधान में श्री दिगम्बर जैन विद्यालय, सब्जी मण्डी, बादशाही नाका, कानपुर, के बालक, बालिकाओं द्वारा णमोकार महामंत्र का जाप किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार जैन ने अपने उद्बोधन में बताया कि इस महामंत्र में सभी अरिहंतों, सिद्धों, आचार्यों, उपाध्यायों एवं सभी साधुओं (पंच परमेष्ठि) को नमस्कार किया गया है।

तथा यह महामंत्र सभी पापों का नाश करने वाला, साथ ही इसे पढ़ने से हर प्रकार का मंगल होता है।

सभी मंत्रों में यह एक लोकोत्तर मंत्र है। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार जैन, प्रबंधक व मंत्री सौरभ जैन, प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा सिंह, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने सहभागिता निभाई ।

डीजल चोर माफियाओं पर भारी पड़ी स्वराज इंडिया की खबर

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
03

पनकी के पास आउटर पर ट्रेन खड़ी कर चोरी किया जा रहा डीजल पेट्रोल

» अरसे से भारतीय रेल से चल रहा डीजल चोरी का खेल

» पनकी और गुजर स्टेशन इलाके के बीच होती है चोरी

» रेलवे कर्मियों की मिलीभगत से चल रहा खेल स्वराज इंडिया के कैमरे में कैद

एक्सक्लूसिव

» पनकी पुलिस के हाथ लगे कई तेल माफिया

» टैंकरों और अन्य रेल स्थानों से डीजल, पेट्रोल चुराकर बेचते थे

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में कई वर्षो से पनकी थाने की रेंज से गुज़र रही रेलवे लाइन पर खड़ी होने वाली तेल वाहक माल गाड़ियों से एक नेक्सस चलाकर भारी मात्रा में डीजल, पेट्रोल तथा कच्चा तेल इत्यादि चोरी किया जा रहा था। तेल चोरों के अराजक गैंग की जड़ें इतनी गहरी थीं कि न तो भ्रष्ट प्रशासन इन पर कोई कार्यवाही करता था और न ही जिले के कलमकार इन पर पेचीदगी के साथ खबरें लिखते थे।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इन तेल चोरों के पास अवैध असलहे मौजूद रहते थे इसलिए मौके पर जाने की हिम्मत जुटा पाना बहुत ही मुश्किल काम था। कुछ दिनों पहले इस गंभीर अपराध पर बड़ा खुलासा करने की चाहत रखते हुए दैनिक स्वराज इंडिया की टीम के द्वारा ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर एक्सक्लूसिव वीडियो शूट किए गए जिसमें किस तरह से प्लास्टिक की कट्टियों का इस्तेमाल करके तेल चोरी किया जाता है

वह सारे फुटेज इकट्ठा कर लिए गए और उसके बाद स्वराज इंडिया दैनिक अखबार में इस नेक्सस का खुलासा किया गया।

-एक्स पर तूल पकड़ने लगी ख़बर-

रेलवे पुलिस फोर्स की सुरक्षा के बाद भी भारतीय रेल के साथ हो रहे इतने बड़े अपराध के खुलासे की खबर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर जिसे मौजूदा वक्त में एक्स के नाम से जाना जाता है तूल पकड़ना शुरू कर दिया। इस खबर को स्वराज इंडिया के द्वारा रेल सुरक्षा से जुड़े सभी विभागों को टैग करके गंभीरता से एक्स पर शेयर किया गया जिसमें आला अधिकारियों के माध्यम से कानपुर की पनकी आरपीएफ को इस गंभीर अपराध पर जांच कर सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी गई। परंतु पनकी आरपीएफ के द्वारा आला अधिकारियों को एक गैर जिम्मेदाराना जवाब दिया गया जिसमें खबर को पूरी तरह से तथ्य विहीन बताकर असत्य करार दे दिया गया। उसके बाद पनकी आरपीएफ के जवाब का कटाक्ष करते हुए स्वराज इंडिया की टीम के द्वारा ग्राउंड जीरो से एकत्रित किए गए सभी वीडियो फुटेज जारी कर दिए गए।

-वीडियो फुटेज जारी होने के बाद पनकी पुलिस ने पकड़े चोर-

इस गंभीर अपराध की सरगर्मी को देखते हुए जब स्वराज इंडिया की टीम के द्वारा इस अपराध से जुड़े सभी वीडियो फुटेज जारी किए गए तो उसके बाद पनकी थाने की पुलिस हरकत में आ गई और तीव्र कार्यवाही करते हुए चोरी किए गए तेल के गोदाम को बरामद करते हुए तेल चोरों को पकड़ लिया गया। जिसमें बांगरमऊ उन्नाव निवासी सजल कुशवाहा, टिकरा थाना बिठूर कानपुर निवासी उदय सिंह, पनकी शाहपुर निवासी विनोद वर्मा उर्फ पप्पू, सचेंडी खानपुर निवासी रामप्रकाश उर्फ बहादुर तथा जमुई जिला बिहार निवासी धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय आदि की गिरफ्तारी पुलिस के द्वारा की गई। पनकी पुलिस ने आपराधिक तत्वों को शाहपुर कालोनी इंडियन ऑयल डिपो के पिछले द्वारा के पास एक तेल के बाड़े से गिरफ्तार किया तथा पुलिस के द्वारा हजारों लीटर तेल बरामद कर मौके पर मौजूद अपराध के लिए उपयोग किये जा रहे सभी वाहनों को भी जप्त कर लिया गया।

फिल्म 'वो रात' की भव्य प्रोमो एवं पोस्टर लॉन्चिंग

» आरजीकर मेडिकल कॉलेज कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई गैंग रेप की घटना पर आधारित है मूवी

» मेयर प्रमिला पांडे ने लॉन्च किया पोस्टर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अशोकनगर स्थित पीएफसी फिल्म प्रोडक्शन हाउस में वो रात फिल्म की पोस्टर एवं प्रोमो लॉन्चिंग का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहर की मेयर प्रमिला पांडे ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस फिल्म के निर्माता निर्देशक प्रमोद गुप्ता बहुत बधाई के पात्र हैं जिन्होंने यह फिल्म बनाई है क्योंकि यह फिल्म उस घटना पर आधारित है जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था।

आर जी कर मेडिकल कॉलेज कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई गैंग रेप की घटना को कौन भूल सकता है। न केवल कोलकाता बल्कि पूरे देश में इस घटना के विरोध में उबाल था और पूरे देश के डॉक्टरों ने इस घटना के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया था।

आज के इस जमाने में जब ऊल जलूल फिल्में बन रही हैं ऐसे माहौल में एक संवेदनशील फिल्म बनाकर निर्माता निर्देशक प्रमोद गुप्ता ने अत्यंत सराहनीय कार्य किया है। विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा की सबसे अच्छी बात यह है की प्रमोद गुप्ता हमेशा अपनी फिल्मों में शहर की नई प्रतिभाओं को ज्यादा से ज्यादा मौका देते हैं। एक्टिंग के क्षेत्र में शहर में अपनी खास जगह बनाने वाले अजय त्रिपाठी ने बताया आजकल कानपुर बॉलीवुड के प्रोड्यूसर्स के लिए शूटिंग हब बनता जा रहा है और बड़ी-बड़ी बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग आए दिन कानपुर में होती रहती हैं।

सांसद रमेश अवस्थी ने कहा की प्रमोद गुप्ता बन गए मासूम अपराधी, रक्षक लव जिहाद चरित्रहीन मेरी पढ़ाई मेरा अपमान सफर अयान 2 और मंजर जैसी फ़िल्में बना चुके हैं जिसमें उन्होंने उन प्रतिभाओं को मौका दिया है जो बॉलीवुड में धक्के खाकर अपने शहर लौट आए थे। विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी प्रदेश में फिल्म सिटी बनाकर फिल्मों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

इस अवसर पर अरविन्द सिंह जी आर एफ एस/अजय त्रिपाठी सुनील बाजपेई ,नीरज कुमार ,दीपक शर्मा, राजेंद्र गुप्ता ,रामबाबू गुप्ता, दिनेश अवस्थी ,लक्ष्मीकांत गुप्ता , जय प्रकाश अवस्थी , दीपक त्रिपाठी,सुधीर तिवारी,रतन राठौड़ ,डॉ इंद्र मोहन रोहतगी, विनीत सिन्हा,आरसी पाठक ,अरशद अंसारी ,कंधा सिन्हा ,राजा सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।

आउट सोर्सिंग सफाई कर्मी से की अभद्रता, आंदोलन की चेतावनी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। वार्ड 58 तिवारीपुर में सफाई व्यवस्था को लेकर अमितेश त्रिपाठी उर्फ सोनू आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी विकास एवं रोहित के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग गाली गलौज और जाति सूचक शब्दों से गाली दी कर्मचारियों ने सफाई पर्यवेक्षक एवं सफाई इंस्पेक्टर को बुलाया उनके साथ भी काफी विवाद किया। इसके बाद कर्मचारियों ने संगठन को सूचना दी तत्पश्चात कर्मचारियों का प्रार्थना पत्र लेकर जाजमऊ थाना में रिपोर्ट दर्ज करने हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया है। संघ के नेताओं ने कहा इस तरह कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जाना उचित नहीं है यदि रिपोर्ट नहीं दर्ज किया गया तो ना चाहते हुए भी सफाई व्यवस्था बंद करना पड़ेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।संघ के अध्यक्ष मुन्ना हजारिया महामंत्री रमाकांत मिश्रा ने कहा कि इस संबंध में नगर आयुक्त को पत्र भेज कर कड़ी कार्रवाई का अनुरोध किया।

सम्पादकीय

आर्थिक स्थिरता हेतु रेपो दरों में कटौती

अमेरिका के टैरिफ युद्ध से उपजी वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच केंद्रीय बैंक ने सावधानी के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शेयर बाजारों के ध्वस्त होने के बाद आर्थिक मंदी की आहट अमेरिका समेत पूरी दुनिया में महसूस की जा रही है। वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में दूसरी बार रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती अनिश्चितता के बीच सावधानी का ही संकेत है। केंद्रीय बैंक ने अब रेपो दर 6.25 से घटाकर 6 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस साल यह दूसरी बार कटौती है। जबकि पहली कटौती पांच साल बाद की गई थी। यह कदम वैश्विक अस्थिरता के प्रति रिजर्व बैंक की चिंता को ही दर्शाता है। निश्चित रूप से आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में मौद्रिक नीति समिति द्वारा समायोजन के साथ बदलती प्राथमिकताओं का संकेत दिया है। अब बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति के बजाय विकास को गति देना है। निर्विवाद रूप से केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका से उपजे व्यापार तनाव और टैरिफ संकट के बीच आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है। ये हालात घरेलू स्तर पर खपत में कमी करके मंदी की आशंका बढ़ा सकते हैं। साथ ही विकास में निजी निवेश की संभावनाओं पर भी भारी पड़ सकते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित करके 6.5 फीसदी कर दिया है। जो आने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर पैदा होने वाली चिंताओं को ही रेखांकित करता है। निश्चित रूप से यह फैसला आवास और ऑटो ऋण ले चुके लोगों के लिये राहत भरी खबर है क्योंकि रेपो रेट घटने पर ऋण लेने वालों की ईएमआई घट सकती है। साथ ही यह कदम नये ऋण लेने वाले लोगों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलने की संभावना भी बढ़ गई है।

हालांकि, उन लोगों को कुछ निराशा हो सकती है जो बैंकों में सावधि जमा राशि के जरिये जीवनयापन करते हैं। ऐसे में ब्याज दरों में गिरावट से उनका वास्तविक रिटर्न कम हो सकता है। फलत- निवेश को प्रोत्साहन देने के लिये नई रणनीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, रेपो दरों में कटौती मौद्रिक अनुशासन का एक जरूरी उपकरण है, लेकिन ये अंतिम रामबाण उपचार भी नहीं है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति के दबाव व मुद्रा अस्थिरता के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। जिससे महंगाई बने रहने की चिंता भी पैदा हो सकती है। जरूरी है कि केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती का लाभ बैंक यथाशीघ्र अपने ऋण लेने वाले ग्राहकों को प्रदान करें। बहरहाल, दरों की यह कटौती केंद्रीय बैंक की विकास को गति देने की मंशा को ही जाहिर करती है। लेकिन यह कदम तभी प्रभावकारी हो सकता है जब राजकोषीय उपायों और संरचनात्मक सुधारों को गति प्रदान की जाए। बहरहाल, आम आदमी के लिये यह सुखद है कि उसकी ईएमआई कम हो जाएगी। साथ ही नये लोन भी सस्ते होंगे। जिससे हाउसिंग क्षेत्र में डिमांड बढ़ेगी।

राजनीतिक हित साधने का जरिया न बने भाषा

विश्वनाथ सचदेव

किसी अफसर को राज्य-विशेष की भाषा बोलनी नहीं आती तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसे सरेआम थप्पड़ मार दिया जाये। भाषा के हित साधने का यह तरीका अनुचित ही नहीं, आपराधिक भी है। उचित तरीका तो यह है कि हम अपनी भाषा को इतना समृद्ध बनायें कि हर किसी को उसे सीखने, काम में लेने की इच्छा होने लगे।

महाराष्ट्र सरकार के एक अधिकारी को मराठी न बोल पाने की सज़ा भुगतनी पड़ी। मातृभाषा मराठी के प्रति अतिरिक्त लगाव वाले कुछ मराठी युवाओं ने यह सज़ा दी थी। उन्हें महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का संरक्षण प्राप्त था। अब मनसे के नेता राज ठाकरे ने अपने अनुयायियों से कह दिया है कि महाराष्ट्र में मराठी बोलने की अनिवार्यता के लिए अभियान जारी रखने की आवश्यकता नहीं है।

लोग समझ गये हैं। लोग कितना समझे हैं, और राज्य में मराठी भाषा का उपयोग कितना बढ़ जायेगा, यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, लेकिन यह बात तो सहज समझ में आने वाली है कि जो जहां रह रहा है, उसे क्षेत्र-विशेष की भाषा तो आनी ही चाहिए। लेकिन यहीं इस बात की समझ की भी अपेक्षा की जाती है कि हमारा संविधान रोजी-रोटी के लिए कहीं भी आने-जाने, बसने का अधिकार देश के हर नागरिक को देता है। आसेतु-हिमालय सारा भारत देश के सब नागरिकों का है, सबको कहीं भी जाकर बसने का अधिकार है। ऐसे में, क्षेत्र-विशेष की भाषा बोलने की शर्त हर नागरिक के लिए लागू करना शायद उतना व्यावहारिक नहीं होगा, जितना समझा जा रहा है। इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि कोई भाषा न बोल पाने वाला उस भाषा के प्रति अवमानना का भाव रखता है।यहीं इस बात को रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि अपनी भाषा के प्रति लगाव का भाव होना एक स्वाभाविक स्थिति है, अपनी भाषा के प्रति प्यार और सम्मान का भाव होना ही चाहिए, पर इसका यह अर्थ नहीं है कि हम देश की अन्य भाषाओं के प्रति अवमानना का भाव रखें। देश की

सारी भाषाएं हमारी भाषाएं हैं, और हमें सब पर गर्व होना चाहिए।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विभिन्न भाषाओं से समृद्ध हमारे भारत में भाषा के नाम पर विवाद खड़े किये जाते हैं। इस मुद्दे पर कई बार विभिन्न राज्यों में हिंसक घटनाएं भी हो चुकी हैं। उस स्थिति का मुख्य कारण भाषा को राजनीतिक स्वार्थो की पूर्ति का माध्यम बनाना है। यह एक हकीकत है कि भाषा की इस राजनीति ने देश के अलग-अलग हिस्सों में अप्रिय स्थितियां पैदा की हैं। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में हमने इस राजनीति के दुष्परिणाम देखे हैं। अब भी समय-समय पर इन दुष्परिणामों की चिंगारियां भड़क उठती हैं।बहरहाल, जहां तक महाराष्ट्र का सवाल है भाषाई आंदोलन यहां के राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। मराठी संस्कृति और भाषा की रक्षा के नाम पर, मराठी अस्मिता की दुहाई देकर राजनीतिक दलों का गठन तक हुआ है। मराठी मानुष के हितों का नाम लेकर राज्य में समय-समय पर आंदोलन होते रहे हैं। इस संदर्भ में 'मनसे' की हाल की कार्रवाई ऐसा ही एक उदाहरण प्रस्तुत करने वाली है।

हमारे देश में राज्यों का गठन भाषाई आधार पर हुआ है। ये भाषाएं हमारी कमज़ोरी नहीं, ताकत हैं। इसलिए ज़रूरी है कि हमारी हर भाषा निरंतर समृद्धि की दिशा में बढ़े, बढ़ती रहे। भाषा के विकास का मतलब यही नहीं है कि उसका विस्तार कितना हो गया है अथवा उस भाषा के बोलने वालों की संख्या कितनी बढ़ गयी है। भाषा के विकास का अर्थ यह भी है कि भाषा की क्षमता कितनी बढ़ी है अर्थात नये-नये विषयों को समझने-समझाने में भाषा कितनी सक्षम हो गयी है ।

कोर्ट ने लक्ष्मण रेखा खींच दिखाई राह

कृषि में एआई और आईओटी

जय सिंह रावत

राज्यपाल का पद अगर लोकतंत्र के सहायक संरक्षक की भूमिका निभाए, तो वह उपयोगी हो सकता है, लेकिन जब वह केंद्र सरकार का राजनीतिक उपकरण बन जाता है, तब वह पद संविधान की आत्मा के विरुद्ध चला जाता है।तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि की भूमिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 8 अप्रैल, 2025 को दिया गया निर्णय भारतीय संघीय ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि राज्यपाल किसी विधेयक को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते, उन्हें या तो मंजूरी देनी होगी, असहमति के साथ लौटाना होगा, या राष्ट्रपति के पास भेजना होगा। यह निर्णय केवल एक कानूनी निर्देश नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्यपालों के लिए एक स्पष्ट 'लक्ष्मण रेखा' खींच देने जैसा है, जिससे बाहर जाना अब संविधान की आत्मा के विरुद्ध माना जाएगा। तमिलनाडु प्रकरण और सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले ने केवल एक संवैधानिक संकट का समाधान नहीं किया, बल्कि एक बुनियादी सवाल भी खड़ा किया है। लोकतांत्रिक भारत में राज्यपाल की प्रासंगिकता।

राज्यपाल का पद अगर लोकतंत्र के सहायक संरक्षक की भूमिका निभाए, तो वह उपयोगी हो सकता है, लेकिन जब वह केंद्र सरकार का राजनीतिक उपकरण बन जाता है, तब यह पद संविधान की आत्मा के विरुद्ध चला जाता है। आज का युग जन-जागरूकता और जवाबदेही का है। अब समय आ गया है कि हम यह मूल्यांकन करें कि क्या वाकई राज्यपाल का पद भारतीय संघीय ढांचे को मजबूत कर रहा है?? तमिलनाडु

में राज्यपाल रवि ने राज्य सरकार द्वारा पारित 12 विधेयकों को महीनों तक रोके रखा, जिनमें से कई को बिना कारण बताए राष्ट्रपति के पास भेज दिया और कुछ को लौटाया भी। उन्होंने सदन के अभिभाषण के दौरान सरकार द्वारा तैयार भाषण को अधूरा पढ़ा और बीच में ही वॉकआउट कर दिया। ये सभी घटनाएं संविधान की भावना और राज्यों की स्वायत्तता के खिलाफ मानी गईं। सुप्रीम कोर्ट ने इन कृत्यों को 'लोकतंत्र की उपेक्षा' बताया और स्पष्ट किया कि राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह का पालन करना अनिवार्य है।यह कोई पहली घटना नहीं है जब राज्यपाल और निर्वाचित सरकार के बीच टकराव सामने आया हो। उत्तराखंड में 2016 में बहुमत परीक्षण से पहले राष्ट्रपति शासन लागू कराना, महाराष्ट्र में 2019 में तड़के सरकार बनवाना, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में असंवैधानिक हस्तक्षेप, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में राज्यपालों द्वारा मंत्रिपरिषद की सलाह की उपेक्षा। इसी प्रकार, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल रहे रामलाल, जो पहले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रह चुके थे, ने 1984 में एन.टी. रामाराव की निर्वाचित सरकार को हटा दिया और केंद्र के समर्थन से विपक्षी नेता को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी। इस निर्णय के खिलाफ जनांदोलन खड़ा हुआ, जिसे अंततः राष्ट्रपति को पलटना पड़ा।राज्यपाल के पद को लेकर संविधान सभा में भी गहन बहस हुई थी। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने स्पष्ट किया था कि राज्यपाल केवल 'संवैधानिक प्रमुख' होंगे और वे अपनी व्यक्तिगत राय से नहीं, बल्कि राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करेंगे। कुछ सदस्यों ने यह चिंता भी जताई थी कि राज्यपाल कहीं केंद्र सरकार का प्रतिनिधि बनकर राज्यों की स्वायत्तता को बाधित न करे। लेकिन यह माना गया कि अगर पद का उपयोग संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर हो, तो यह संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है। संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल को 'नामित प्रमुख' के रूप में देखा था एक ऐसा पद जो केवल सलाहकार भूमिका निभाएगा, और राज्य की चुनी हुई सरकार की सिफारिशों पर ही कार्य करेगा। परन्तु आज की स्थिति देखें।

नीम करोली बाबा के दर्शन, कैंची धाम आज ही जानें!

अगर आप भी बाबा नीम करोली के आश्रम जाना चाहते हैं, तो आप हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर जा सकते हैं। यह दिन कैंची धाम की यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त होगा। इसलिए आज इस हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंची धाम की यात्रा कैसे करें और इसके लगभग कितना खर्च आएगा।

चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जी का अवतरण हुआ था। इसी वजह से हर साल चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि को भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस बार 12 अप्रैल 2025 को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। हनुमान जन्मोत्सव पर भक्त हनुमान जी के दर्शन के लिए मंदिर जाते हैं। भारत में हनुमान जी से जुड़े कई ऐसे मंदिर हैं, जो भक्तों के लिए काफी विशेष महत्व रखते हैं। वहीं बाबा नीम करोली को भी हनुमान जी का बड़ा भक्त माना जाता है।

ऐसे में अगर आप भी बाबा नीम करोली के आश्रम जाना चाहते हैं, तो आप हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर जा सकते हैं।

यह दिन कैंची धाम की यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त होगा। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंची धाम की यात्रा कैसे करें और इसके लगभग कितना खर्च आएगा। ऐसे पहुंचे कैंची धाम

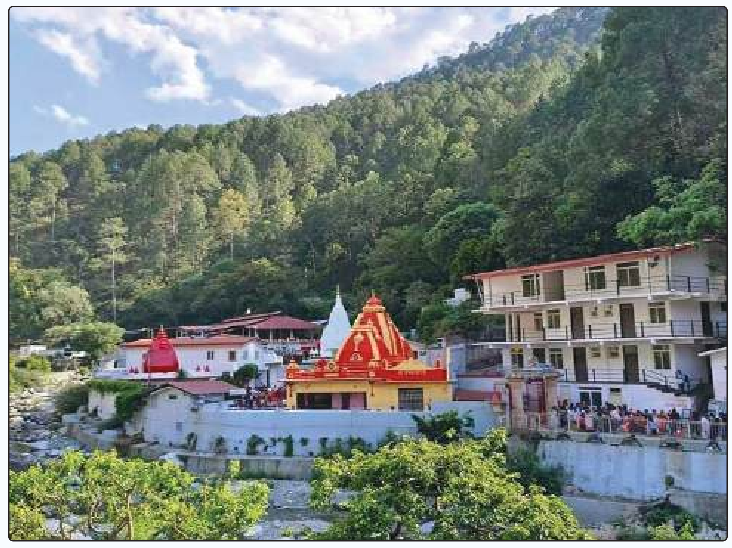

उत्तराखंड के नैनीताल शहर के पास कैंची धाम में नीम करोली बाबा का आश्रम है। अगर आप दिल्ली से कैंची धाम की यात्रा पर जाते हैं, तो सबसे पहले आपको नैनताल पहुंचना होगा।

दिल्ली से नैनीताल की दूरी 324 किमी है। आप ट्रेन या बस से साढ़े छह-सात घंटे में नैनीताल पहुंच सकते हैं। नैनीताल से कैंची धाम आश्रम की दूरी महज 17 किमी है। यहां पर सड़क मार्ग के जरिए पहुंच सकते हैं। नैनीताल से कैंची धाम आश्रम पहुंचने के लिए आप किराए पर स्कूटी ले सकते हैं।

हवाई अड्डा या रेलवे स्टेशन

अगर आप हवाई यात्रा करके कैंची धाम आश्रम आते हैं, तो यहां का सबसे करीबी एयरपोर्ट 70 किमी दूर पंतनगर है। फिर यहां से आप नीम करोली पहुंचने के लिए टैक्सी या बस कर सकते हैं। वहीं अगर आप ट्रेन से आना चाहते हैं, तो नजदीकी रेलवे स्टेशन काठगोदाम है। जहां से आश्रम की दूरी 38 किमी है।

जानिए कितना आएगा खर्च

अगर आप दिल्ली से नैनीताल ट्रेन या फिर बस से जा रहे हैं, तो करीब 300 से 800 रुपए टिकट पर खर्च करने पड़ सकते हैं। वहीं आगे का सफर आप बस या टैक्सी से कर सकते हैं। ऐसे में दिल्ली से बाबा नीम करोली के आश्रम तक पहुंचने के लिए 700-1000 रुपए तक खर्च आ सकता है।

वहीं आश्रम में आपको रहने के लिए शयनगृह तक निजी कमरे मिल जाते हैं। यहां पर रुकने का किराया 200 रुपए प्रतिदिन हो सकता है। वहीं आपको खाने-पीने के लिए खर्च करना पड़ेगा। इन चीजों को करें एक्सप्लोर आश्रम में पुस्तकालय भी है, जहां पर आप आध्यात्मिक अनुभव के साथ दर्शन पर किताबें पढ़ सकते हैं। इसके साथ ही आप यहां की प्राकृतिक सुंदरता को निहार सकते हैं, पहाड़ियों में ट्रैकिंग कर सकते हैं और जंगल की सैर कर सकते हैं।

सहजन का सूप सेहत के लिए अमृत

हेल्दी और फिट रहने के लिए बेहद फायदेमंद है सहजन का सूप। सहजन जिसे मोरिंग के नाम से भी जाना जाता है। यह एक सुपरफूड है जिसके सेवन से सेहत को काफी फायदे मिलते हैं। आइए आपको बताते हैं इसे कैसे बनाएं।

सेहत की बात

मोरिंगा किसी सुपरफूड से कम नहीं है। इसको सहजन के नाम से भी जाना जाता है, इसमें कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। मोरिंगा के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में हम सभी ने काफी सुना है। मोरिंगा के फैन तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी है। पीएम हमेशा ही इसे खाने की सलाह देते हैं और इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

आपको इसको अपनी डाइट में शामिल करने के लिए गर्मियों सहजन का सूप बनाकर पी सकते हैं, जो काफी हेल्दी भी होता है। आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

सहजन सूप के लिए सामग्री

सहजन, धनिया, प्याज, अदरक, टमाटर, लहसुन, नमक, काली मिर्च, हरा धनिया, घी, जीरा

सहजन सूप बनाने की विधि

सहजन सूप बनाने के लिए आप सहजन को पहले अच्छें धो लें। अब इसको छीलकर रेशे निकाल लें। इसको टुकड़ें में काटकर कुकर में डालें। अब इसमें कटा टमाटर, प्याज, लहसुन, अदरक के टुकड़े, नमक और थोड़ा सा हरा धनिया डालें। थोड़ा-सा पानी मिलाकर सीटी लगा लें। सीटी लग जाने के बाद उबली सब्जियों को ठंडा होने के बाद मिक्सर में पीस लें। इसके पल्प आपको छन्नी छान लें। इसमें अब पानी मिलाएं और गैस पर उबलने रख दें। सूप जब उबाल जाए तो काली मिर्च, नींबू और धनिया डालकर पी सकते हैं। अगर तड़का लगना है तो घी में जीरा चटाकाकर ऊपर से डाल सकते हैं। यह लीजिए तैयार है आपका मोरिंगा सूप।

हीटवेव कहर, रहो सदा सतर्क!

मौसम विभाग ने दिल्ली समेत कई राज्यों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। तापमान बढ़ने लू या हीटस्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। अप्रैल के महीने में हमें अपनी हेल्थ का ध्यान रखना है। इस दौरान बिल्कुल भी रिस्क न लें क्योंकि थोड़ी ही धूप आपको बीमार कर सकती है। आइए आपको बतातें लू से बचने के लिए क्या करें और कैसे अपना ख्याल रखें।

अप्रैल के महीने में तापमान काफी इजाफा हो रहा है। धीरे-धीरे गर्मी अपना प्रचंड रुप दिखाने लगी है। ऐसे में ढ्रख्र ने हाल ही में दिल्ली समेत राजस्थान, गुजरात जैसे राज्यों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आपको सावधान रहने की जरुरत है। अब आपको तेज गर्मी में लू से कैसे बचें इस लेख में हम आपको बताएंगे।

हीट स्ट्रोक के लक्षण

शरीर का तापमान बढ़ना

हीट स्ट्रोक का सबसे बड़ा लक्षण है शरीर का तापमान अचनाक 40एष्ट या इससे अधिक भी हो जाता है। इस दौरान पसीना आना बंद हो जाता है, शरीर की ठंडा होने की प्रक्रिया फेल हो जाती है।

सिरदर्द और चक्कर आना

लू लगन से तेज सिरदर्द होना और पानी की कमी होने लगती है, जिससे सिरदर्द, चक्कर आना या बेहोशी जैसी समस्याएं देखने को मिलती है।

त्वचा का गर्म या लाल होना

लू लगने के बाद स्किन लाल, ड्राई और गर्म हो जाती है। पसीना निकलना बंद हो जाए, तो यह बड़ी गंभीर समस्या हो सकती है। मतली और उल्टी होना हीट स्ट्रोक के दौरान जी मिचलना, पेट में जलन, मतली और उल्टी होने लगती है। मांसपेशियों में ऐंठन होना डिहाइड्रेशन और इलेक्ट्रोलाइट इंबैलेंस कारण मांसपेशियों में ऐंठन या हाथ-पैरों में दर्द होने लगता है।

दिल की धड़कन तेज होना

हीट स्ट्रोक के कारण हार्ट बीट भी तेज हो जाती है, क्योंकि यह शरीर को खुद को ठंडा करने के लिए ज्यादा मेहनत करता है।

भ्रम या बेहोश होना

ज्यादातार मरीजों को भ्रम, बेचैनी या बेहोशी भी हो सकती है। इन परिस्थितियों में डॉक्टर से संपर्क करें।

हीट स्ट्रोक से बचने के उपाय

जितना होने सके खूब पानी पिएं। दिनभर में 8-10 गिलास पानी जरुर पिएं। नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी और ओआरएस को घोल काफी फायदेमंद होता है। चाय, कॉफी और शराब से बचें, क्योंकि ये डिहाइड्रेशन बढ़ाते हैं।

गर्मियों मे सूती और लाइट कलर के कपड़े , जो पसीना सोख लें। - धूप में निकलते समय छाता, टोपी या सनग्लासेस का इस्तेमाल करें। अगर बाहर जाएं तो अपने साथ पानी की बोतल जरुर लें जाएं। एसी, कूलर या पंखे के नीचे रहकर ही शरीर को ठंडा रखें। यदि ज्यादा गर्मी लगे तो आप ठंडे पानी से नहाएं और गीले कपड़े से शरीर को पोंछें गर्मियों में ताजे फल, हरी सब्जियां, दही और हल्का खाना खाएं।- सुबह और शाम को एक्सरसाइड जरुर करें।- हीट स्ट्रोक के दौरान छोटे बच्चे और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा खतरा होता है। इसलिए उन्हें हमेशा ठंडा वातावरण में रखें।

डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

स्वराज इंडिया अखबार की प्रभावी रिपोर्टिंग का दिखा असर

सीटीएम आशुतोष सिंह ने बताया, रेलवे प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित और उचित मूल्य पर खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है

» कानपुर सेंट्रल रेलवे प्रशासन हुआ सख्त

» वेंडरों की हुई अचानक चेकिंग, कई को चेतावनी दी गई

सेंट्रल स्टेशन के खानपान काउंटरों में 'जैसा यात्री वैसा पैसा'

» यात्रियों से मनमाने दाम वसूल रहे कई वेंडर, खाने वाली

» वस्तुओं में ना एमआरपी है ना इनका कोई फिक्स रेट

» प्लेटफॉर्म पर खुलेआम बिकता है इस तरह का खाना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर खानपान व्यवस्था में लगातार भारी अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बिना प्राइस लिस्ट और बिना स्टॉल के नाम वाले खाने के पैकेट खुलेआम बेचे जा रहे हैं, जिससे यात्रियों को न सिर्फ असुविधा हो रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक नुकसान और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों का भी सामना करना पड़ रहा है।

सोमवार दोपहर लगभग 1 बजे एक ट्रेन के आगमन से पहले वेंडर प्लेटफॉर्म पर पहुंच गए और ट्रेन के रुकते ही यात्रियों को खाने के पैकेट बेचने लगे। दिलचस्प बात यह रही कि एक ही तरह के पैकेट किसी को 70 रुपए में तो किसी को 60 रुपए में बेचे गए – यानी फ्रजैसा यात्री, वैसा पैसाफ्र की तर्ज पर वसूली की जा रही थी।जब वेंडरों से प्राइस लिस्ट या स्टॉल के नाम के बारे में पूछा गया, तो जवाब मिला कि फ्रपैकेट पर प्राइस या स्टीकर लगाने का समय नहीं होता।फ्र पूछताछ पर एक वेंडर ने स्टॉल संचालक का नाम फ्रगौरवफ्र बताया और दावा किया कि ये आरके फूड्स से संबंधित है। लेकिन जब संबंधित स्टॉल पर जाकर देखा गया तो वहां भी बिना नाम और कीमत के पैकेट रखे हुए थे।यही नहीं, स्टॉल पर बिना अनुमति के आलू पैटीज जैसे उत्पाद भी खुलेआम बेचे जा रहे हैं। जब काउंटर पर मौजूद कर्मियों से जानकारी मांगी गई तो टाल-मटोल करने लगे और भ्रमित करने वाली जानकारी दी। एक कर्मी ने कैमरे के सामने वही पैकेट जिसकी कीमत पहले 70 बताई थी, अब 40 रुपए बताई।

यह सब दर्शाता है कि खानपान अधिकारी की ओर से स्पष्ट निगरानी नहीं की जा रही है, जिससे अवैध वेंडरों को बढ़ावा मिल रहा है। यात्रियों के साथ न सिर्फ आर्थिक शोषण हो रहा है, बल्कि उन्हें घटिया और अस्वास्थ्यकर भोजन खाने के लिए मजबूर किया जा रहा है।मांग की जा रही है कि रेलवे प्रशासन और संबंधित खानपान अधिकारी अविलंब इस मुद्दे पर कार्रवाई करें और यात्रियों के अधिकारों की रक्षा करें। स्टेशनों पर पारदर्शी व्यवस्था लागू कर प्राइस लिस्ट और स्टॉल जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए, ताकि यात्रियों को उचित मूल्य पर स्वच्छ भोजन मिल सके।

हम लगातार कार्रवाई और निरीक्षण करते हैं : सीटीएम

कानपुर सेंट्रल स्टेशन के सीटीएम आशुतोष कुमार सिंह ने स्वराज इंडिया से कहा कि खानपान को लेकर लगातार निरीक्षण और कार्रवाई होती है। इसके बावजूद अगर कोई वेंडर ऐसी हरकतें कर रहा है उस पर भी कार्रवाई की जाएगी सेंट्रल स्टेशन पर हम लोग लगातार व्यवस्था को सुधारने में लगे हुए हैं।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। स्वराज इंडिया समाचार पत्र द्वारा बीते मंगलवार को प्रमुखता से प्रकाशित खबर का असर अब धरातल पर नजर आने लगा है। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता तो ठीक पाई गई, लेकिन स्टॉल संचालकों और वेंडरों की मनमानी पर अब लगाम कसने की शुरुआत हो गई है।

रेलवे प्रशासन ने स्टेशन पर सख्ती दिखाते हुए प्लेटफॉर्म नंबर एक पर विशेष जांच अभियान चलाया। हावड़ा-कालका एक्सप्रेस के पहुंचते ही अधिकारी सक्रिय हुए और खाने के पैकेट बेच रहे वेंडरों की गहन जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान अधिकारियों ने प्राइस लिस्ट और कंपनी के नाम वाले स्टीकरों की बारीकी से जांच की। हालांकि कुछ वेंडरों के पास नियम अनुसार स्टीकर लगे हुए पाए गए, लेकिन कई वेंडरों ने अधिकारियों की मौजूदगी देखते ही जेब से स्टीकर निकालकर तुरंत पैकेटों पर चिपकाने शुरू कर दिए। यह दृश्य साफ तौर पर खानपान विभाग की लापरवाही और वेंडरों की मनमानी को उजागर करता है। जांच के समय खानपान अधिकारी गौरव कुमार मौके पर उपस्थित नहीं थे, जिससे उनकी भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं।

स्वराज इंडिया की रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया था कि स्टेशन पर वेंडर यात्रियों से मनमाने दाम वसूल रहे हैं—किसी पैसेंजर को पैकेट 70 रुपये में तो किसी को वही पैकेट 60 या 50 रुपये में बेचा जा रहा है, वह भी बिना किसी प्राइस लिस्ट या स्टॉल नाम के। इसी खबर को आधार बनाकर रेलवे ने यह सख्त कदम उठाया है।रेलवे प्रशासन ने नियमों की अनदेखी करने वाले कई वेंडरों पर जुर्माना भी लगाया और यह स्पष्ट किया कि जांच आगे भी जारी रहेगी। प्रशासन का उद्देश्य है कि यात्रियों को न केवल स्वच्छ व गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री मिले, बल्कि उनके अधिकारों की भी पूर्ण सुरक्षा हो।

सीटीएम आशुतोष सिंह ने बताया, फ्ररेलवे प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित और उचित मूल्य पर खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। खानपान स्टॉल्स और वेंडरों की नियमित जांच की जाएगी ताकि कोई भी नियमों की अनदेखी न कर सके।

स्वराज्य इंडिया समाचार पत्र द्वारा उठाए गए इस महत्वपूर्ण मुद्दे से रेलवे प्रशासन को सच्चाई का आईना दिखाने में मदद मिली है। यह रिपोर्टिंग यात्रियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुई है।

आर्यनगर विधानसभा में सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

एमएलसी सलिल बिश्नोई की देखरेख में हुआ कार्यक्रम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आर्य नगर विधान सभा का सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं सम्मान समारोह

गीतांजलि गेस्ट हाउस में आयोजित हुआ। विधायक सलिल बिश्नोई के द्वारा सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन में एवं वरिष्ठजन कार्यकर्ता समारोह सम्पन्न हुआ दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम में संयोजक विधायक सलिल बिश्नोई ने अपने सम्बोधन में कहा कि पार्टी की पूंजी हमारा सक्रिय कार्यकर्ता हैं।। भारतीय जनता पार्टी ही देश की एकमात्र पार्टी है जिसमें जमीनी स्तर के कार्यकर्ता को सदैव सम्मान मिलता है यही एकमात्र दल है जिसमें बथू स्तर का कार्यकर्ता मंत्री हो जाता है कार्यक्रम में महापौर प्रमिला पांडेय और सांसद रमेश अवस्थी ,समाजसेवी काशी सिंह परिहार , पदम मिश्रा सत्य प्रकाश जायसवाल , प्रवेश सोनकर, बब्लू मल्होत्रा, अमित गुप्ता, मोनू गुप्ता गुरु नारायण गुप्ता आदि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

राष्ट्रपति पुरस्कृत प्रधानाचार्य की पुण्यतिथि मनाई गई

सपा नेता वीरसेन यादव ने पहुंच कर दी श्रद्धांजलि

स्वराज इंडिया संवाददाता

माती। अकबरपुर रनियां विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम लहरापुर निवासी भारत के राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत माध्यमिक जूनियर हाई स्कूल रिटायर्ड प्रधानाचार्य स्वर्गीय राम गुलाम सिंह की त्रयोदशी का आयोजन किया। इस दौरान उनके आवास पहुंचकर पहुंचकर समाजवादी पार्टी के प्रांतीय नेता वीरसेन यादव ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित की सपा नेता श्री यादव ने कहा स्वर्गीय राम गुलाम सिंह पूरे जिले के शिक्षकों में अत्यंत लोकप्रिय थे। उनकी कर्मठता लग्नशीलता आज भी

लोगों के बीच चर्चा का विषय है उनके निधन से पूरे जनपद के शिक्षक समाज को भारी क्षति हुई है। श्री यादव उनके परिवार को सांत्वना प्रदान करते हुए कहा मैं और मेरी पूरी पार्टी उनके हर सुख और दुख में साथ खड़े रहेंगे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में युवजन सभा के पूर्व जिला अध्यक्ष बलवंत सिंह यादव, पूर्व सदस्य जिला पंचायत कल्लू यादव, छात्र सभा के पूर्व जिला अध्यक्ष हरवेंद्र सिंह यादव, युवा नेता अनिल यादव, स्वर्गीय रामगुलाम जी के भाई गोविंद सिंह यादव, बाबा रघुनाथ सिंह, जितेंद्र मास्टर रोहित यादव आदि लोग उपस्थित थे।

सीडीओ की उपस्थिति में ग्राम रसधान में हुई क्रॉप कटिंग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 के द्वारा तहसील सिकंदरा विकासखंड राजपुर के राजस्व ग्राम रसधान में किसान संतोष कटियार पुत्र विश्वनाथ कटियार के खेत में रवि फसल गेहूँ की उत्पादकता की वास्तविक स्थिति का आकलन करने हेतु क्रॉप कटिंग का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मौके पर सम्बन्धित कर्मचारियों द्वारा रैंडम आधार पर चयनित गाटा संख्या में माध्मम से सम्बन्धित ग्राम के खेत में 10 मी0 भुजा वाले समबाहु त्रिभुज में फसल गेहूं की कटाई और छटाई के बाद गेहूँ का वजन बीस कि0ग्रा0 प्राप्त हुआ। मुख्य विकास अधिकारी ने मौके पर मौजूद किसानों से संवाद किया गया और अपने नजदीक के क्रय केन्द्र पर गेहूँ बेचने के लिये प्रेरित किया गया। उन्होंने संबंधित

अधिकारियों को त्रुटि रहित आकडें शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिये गये, जिससे वास्तविक आकड़े ही परिलक्षित हो। राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि राजस्व परिषद द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप शेष सभी चयनित रेन्डम नम्वर के सभी गाटाओं की क्रॉप कटिंग की कार्यवाही समाप्त कर विभाग को शीघ्र रिर्पोट प्रेषित की जाये। क्रॉप कटिंग के आधार पर ही जनपद के कृषि आकडें तैयार करके शासन को भेजे जाते है। पैदावार से प्राप्त ऑकडों के आधार पर फसल बीमा धारक को नुकसान का मुआवजा दिया जाता है। क्रॉप कटिंग प्रक्रिया के उपरांत मुख्य विकास अधिकारी ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना।उन्होंने किसान से फसल की लागत एवं खेती में आ रही कठिनाइयों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिस भी किसान भाई को पराली की आवश्यकता न हो, तो वह नजदीकी गोशालाओं में पराली का दान कर दें, जिससे गोवंशों को चारा उपलब्ध हो सके और प्रदूषण से बचा जा सके। उन्होंने समस्त किसान भाईयो को खेतों में अवशेष पराली न जलाने की सलाह दी। मौके पर संबंधित तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल आदि उपस्थित रहे।

जालौन जिले का ट्रक लखनऊ की नंबर प्लेट लगाकर दे रहा था धोखा

वाहनों पर फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर चल रहे वाहनो के विरुद्ध चलाये गये वाहन चेकिंग अभियान के तहत कानपुर देहात पुलिस को मिली एक और सफलता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना भोगनीपुर पुलिस एवं एआरटीओ की संयुक्त चेकिंग अभियान में ट्रक में गलत नम्बर प्लेट लगाकर परिवहन करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में जनपद कानपुर देहात में वाहनों पर फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर चल रहे वाहनों के विरुद्ध चलाये जा रहे वाहन चेकिंग अभियान के क्रम में 08.04.2025 को थाना भोगनीपुर पुलिस व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी की संयुक्त टीम द्वारा रौनक ढ़ाबा के पास चेकिंग अभियान चलाया।

जहां चेकिंग के दौरान चालक जसवन्त पाल पुत्र रामनरेश पाल निवासी ग्राम देवपुरा पोस्ट लमसर थाना कालपी जनपद जालौन द्वारा वाहन संख्या UP92T8488 चेचिस नं0-MAT466399 ll5H11385 में गलत वाहन संख्या P32LN2474 की नम्बर प्लेट लगाकर वाहन चलाना व चालक जसवन्त पाल द्वारा बंसल धर्मकांटे पर वाहन का नम्बर UP32LN2474 बताये जाने व वाहन पोर्टल में सर्च करने पर वाहन का रजिस्ट्रेशन नं0-UP92T8488 प्रदर्शित होने के संबंध में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सोमलता यादव द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर थाना भोगनीपुर पर मु0अ0सं0 124/2025 धारा 318(4) बीएनएस बनाम 1.वाहन संख्या UP92T8488 चेचिस नं0-MAT466399 ll5 ll11385 का मालिक नाम पता अज्ञात 2. चालक जसवन्त पाल पुत्र रामनरेश पाल निवासी ग्राम देवपुरा पोस्ट लमसर, थाना कालपी जनपद जालौन पंजीकृत किया गया।

पंजीकृत किये गये अभियोग में विधिक कार्यवाही की जा रही है तथा बरामद किये गये ट्रक को कब्जे लेकर थाना भोगनीपुर पर खड़ा कराया गया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त/चालक जसवन्त पाल पुत्र रामनरेश पाल निवासी ग्राम देवपुरा पोस्ट लमसर, थाना कालपी जनपद जालौन के विरुद्ध नियमानुसार की जा रही है। वाहनों पर फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर चल रहे वाहनो के विरुद्ध चेकिंग अभियान अनवरत जारी रहेगा।

पुखरायां में खराब पड़े वाटर कूलर की हुई मरम्मत

» राहगीरों और दुकानदारों को मिलेगा ठंडा ओर स्वच्छ पानी

» दुकानदारों ने स्वराज इंडिया जिला संवाददाता को बहुत-बहुत बधाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। तापमान बढ़ने और दिन में तेज धूप होने से गर्मी का एहसास खूब होने लगा था। वही पुखरायां नगर पालिका में कई वार्डो में वाटर कूलर खराब पड़े थे। ऐसे में स्थानीय लोगों के साथ साथ राहगीरों को पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा था।

शील बंद बोतल पानी खरीद कर प्याश बुझानी पड़ रही थी। जिससे उनकी जेब पर काफी असर पड़ रहा था। नगर पालिका में राहगीरों को स्वच्छ पानी के लिए लाखों रुपए की लागत से कई वाटर कूलर पूर्व में लगाए गए थे लेकिन अधिकांश स्थानों में काफी समय से वाटर कूलर खराब पड़े थे। इस समस्या को लेकर आपके अपने हिन्दी दैनिक सांध्यकालीन समाचार पत्र स्वराज इंडिया ने खबर को प्रमुखता के साथ दिखाया था। छपी खबर 1/4/2025 दिन मंगलवार को अखबार में खबर को प्रकाशित किया था। छपी खबर का

पुखरायां कस्बा में खराब पड़े वाटर कूलर, ईओ और चेयरमैन अनजान

» पानी पीने के लिए भटक रहे राहगीर

» हर शनिवार को आते हैं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, फिर भी ये हाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। तापमान बढ़ने और दिन में तेज धूप होने से गर्मी का अहसास अब खूब होने लगा है। वही पुखरायां नगर पालिका के कई वार्डो में सार्वजनिक जगहों पर वाटर कूलर खराब पड़े है। ऐसे में स्थानीय लोगों के साथ राहगीरों को पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है मजबूरन राहगीरों को बोतल बंद ठंडा पानी खरीद कर प्यास बुझानी पड़ रही है। जिससे उनकी जेबो पर भी असर पड़ रहा है। पुखरायां नगर पालिका में राहगीरों को स्वच्छ पानी सुविधा कराने के लिए लाखों की लागत से कई वाटर कूलर लगाए, लेकिन अधिकांश स्थानों में काफी समय से वाटर कूलर खराब है

पैसा खर्च कर बुझा रहे प्यास क्या करें साहब.........

नगर पालिका के सुआ बाबा मंदिर के पास में लगा वाटर कूलर काफी समय से खराब है। इससे लोगों को प्यास बुझाने के लिए भटकना पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या राहगीरों को है। स्कूल के सैकड़ो लोग नियमित वाहनों के इंतजार में खड़े रहते है। फ्रीजर खराब होने से राहगीरों को प्यास बुझाने के लिए मजबूरन बोतल बंद पानी खरीदना पड़ रहा है।

केस -2

काफी समय से खराब है वाटर फ्रीजर................

पालिका कार्यालय कालोनी लगा वाटर फ्रीजर काफी समय से खराब है। न छापने की शर्त पर बताया है कि काफी समय से फ्रीजर खराब हो गया था। नगर पालिका पंचायत के कर्मचारियों को कई बार समस्या बताई गई। मगर फ्रीजर की मरम्मत नही कराई गई। ऐसे में वार्ड के लोगों के अलावा राहगीरों को शीतल पेयजल नही नसीब हो रहा है।

केस -3

हजारों की भीड़ वाले स्थान पर भी वॉटर कूलर खराब अफसर क्यों नहीं दे रहे ध्यान

हरदुआ पुल के पास लगा वाटर कूलर काफी समय से खराब है अनिल शखवार और राम बाबू, आदि लोगों ने बताया है कि काफी समय से खराब है राहगीरों को काफी समय से ठंडा पानी नही मिला पीने के पानी के लिए बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है। बताया पिछले वर्ष भी ठंडा पानी नही मिला था।

केस -4

झगड़ेश्वर मंदिर के पास भी खराब लगा है वाटर कूलर

झगड़ेश्वर मंदिर के पास लगा वाटर कूलर काफी लंबे समय से खराब है। जब मंदिर में लगे वॉटर कूलर को सही नही कराया गया है। इस ऐसे में पालिका अधिकारियों की लापरवाही से अभी तक उसको सही नहीं कराया गया। आखिर कब सही होंगे वॉटर कूलर।

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी.......

इस प्रकरण को लेकर नगर पालिका के ईओ अजय कुमार ने बताया है कि मरम्मत का कार्य चालू हो चुका है। जल्द ही सभी की मरम्मत करा के राहगीरों और दुकानदारों को ठंडा पानी मिलेगा।

सुआ बाबा मंदिर के पास लगा खराब वॉटर कूलर

हलचल खबर का असर

पुखरायां नगर पालिका के ईओ अजय कुमार ने संज्ञान लिया था। संज्ञान लेकर तुरंत कर्मचारियों को भेज कर तत्काल सभी वाटर कूलर की मरम्मत कराई गई इससे अब दुकानदारों और राहगीरों को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो रहा है। वही पुखरायां नगर पालिका के ईओ अजय कुमार ने बताया है कि कुछ स्थानों में 10नए वॉटर कूलर लगाने का कार्य भी चालू हो गया है। नगर पालिका ओर राहगीरों और दुकानदारों को ठंडा पानी ओर शुद्ध पेयजल के लिए लगवाए गए हैं। जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए भटकना न पड़ें।

हत्या या आत्महत्या: प्रेमी युगल के पेड़ से लटके मिले शव!

» रात 2 बजे से थे लापता, सुबह मिले शव

» पुलिस कर रही है मामले की जांच

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सूरतगंज(बाराबंकी)। प्रेमी युगल ने अज्ञात कारणों के चलते गांव के बाहर दुपट्टे के सहारे नीम के पेड़ से लटक कर आत्महत्या कर ली, सुबह नित्य क्रिया के लिए गए ग्रामीण तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया । मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को पेड़ से नीचे उतरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल में पुलिस जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बिहुरा गांव के बाहर बन रहे राजेश मौर्य के निर्माणाधीन कोल्ड स्टोरेज के पीछे लगे एक नीम के पेड पर दुपट्टे के सहारे पहडापुर गांव निवासी 26 वर्षीय सूरज रावत पुत्र स्वर्गीय शालिकराम व बिहुरा निवासी निशा बानों 18 वर्षीय पुत्री फारूख ने लटककर आत्महत्या कर ली।

परिजनों के मुताबिक दोंनों रात करीब दो बजे घर से लापता हुए थे, जिनकी परिजन खोजबीन कर रहे थे। सुबह करीब 5 पांच बजे लोगों ने दोनों को पेड से लटके देखा तो हड़कंप मच गया और भारी संख्या में लोगों का जमावड़ा लग गया। उधर सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शवों को फांसी के बंदे से नीचे उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक सूरज की शादी इसी साल 10 जनवरी को मसौली थाना क्षेत्र के चुरैलिया निवासी ममता रावत से हूई थी। वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। वहीं मृतका निशा आठ भाई बहनों मे से सातवें स्थान पर थी। सूत्रों की माने तो दोनों के बीच काफी प्रेम था वह दोनो शादी करना चाहते थे लेकिन मामला दो समुदाय के बीच था इस लिए शादी नही हो सकी। वही इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने मौके का निरीक्षण किया और मामले की जानकारी ली इसके बाद मृतक सूरज के घर जाकर परिजनों से मुलाकात की और उन्हें मामले में जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हत्या के एंगल पर भी जांच

सीओ जगतराम कनौजिया ने बताया प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा, लेकिन पुलिस दबाव, धमकी या हत्या की आशंका को भी खारिज नहीं कर रही है। सभी एंगल से जांच की जा रही है। मामला दो समुदायों से जुड़ा हुआ है। इस वजह से गांव में तनाव है। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इस दौरान एसडीएम कार्तिकेय सिंह, मोहम्मदपुर खाला थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद शुक्ला सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रही।

मुंडन संस्कार में शामिल होने पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बाराबंकी। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक लोनी कटरा थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुर मजरे गौरवा उस्मानपुर गांव पहुंचे। उप मुख्यमंत्री ग्रामवासी श्रवण कुमार मिश्रा के यहां योगेश मिश्रा के पुत्र आनन्द के मुंडन संस्कार में शामिल होने आए थे। इस मौके पर एस सी एस टी आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, हैदरगढ़ विधायक दिनेश रावत ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया। योगेश मिश्रा ने उपमुख्यमंत्री को धार्मिक तस्वीर भेंट कर स्वागत किया।उपमुख्यमंत्री ने आनन्द को शुभकामनाएं दी। उपमुख्यमंत्री उक्त कार्यक्रम में दस मिनट के करीब रहे। इस अवसर पर प्रशासन द्वारा समारोह स्थल पर उपमुख्यमंत्री का गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी हैदरगढ़, क्षेत्राधिकार हैदरगढ़ विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के अलावा श्यामू मिश्रा, धर्मेंद्र मिश्रा पिंटू, अरुण अवस्थी, संतसरण मौर्या, चंद्रकांत पंडित, केशवानंद बाजपेई, सुनील वाजपेई शिवम्, कृष्ण कुमार द्विवेदी राजू भैया, प्रधान काँधीपुर राजू वाजपेई सहित भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इससे पूर्व सड़क मार्ग से त्रिलोकपुर जा रहे उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का लोनी कटरा में भाजपा नेता अरुण शुक्ला ने जोरदार स्वागत किया।

मौसम ने ली करवट, किसानों की आई आफत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। बेमौसम बारिश से गेंहू सहित कई अन्य फसल तहस नहस के कगार पर हैं। वही सड़कों पर आवागमन थम सा गया और लोगों को दिन में रात जैसा एहसासभया। बिजली और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ किसानों के लिए आफत बनकर बरस पड़े बदरा, ज्यादातर किसानों की फसल खेत में कटाई के लिए खड़ी है तो कई किसानों की फसल खेतो में पड़ी हुई है। जिससे किसानों के मस्तक पर चिंता की लकीरें बढ़ गई है। बता दे कि एक ओर तो बीते दिनों बारिश न होने के चलते इस बार किसानो को गेंहू की फसल को तैयार करने में अच्छी खासी लागत लगा के फसल भी तैयार हुई लेकिन पहले जैसा अवसत किसान नही ला सका तो अब दूसरी ओर सुबह से ही पास पड़ोस जनपदों सहित बाराबंकी जनपद के सूरतगंज इलाके में बुधवार की देर रात से मौसम में बदलाव आया और बृहस्पतिवार की सुबह तेज हवा के साथ हुई गरज और जोरदार बारिश होने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। जिसके चलते किसानों की चिंता बढ़ गयी। दूसरी ओर मौसम में आए बदलाव के कारण तेज धूप से परेशान होकर लोगों को राहत मिली है। मालूम हो मार्च माह के अंतिम सप्ताह से ही सूरज की तल्खी बढ़ गयी थी। अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री पहुंच गया था।मौसम में आए बदलाव के कारण मौसम सुहाना तो हुआ लेकिन किसानों के लिए आफ़त बन गया। तैयार गेंहू की फसल को फारी नुकसान होने की आसंका जताई जा रही है। जिससे पालतू जानवरों के चारे की भी मुशीबते बढ़ गई हैं। फिर हाल बृहस्पतिवार की देर शाम तक बादल छाए रहे और बारिश जारी रही हैं। उधर किसान समझ नही पा रहे की आखिरकार अब तैयार गेंहू की फसल घर तक कैसे लाया जाए इससे अगर एक दो दिन में बारिश थम भी गई तो किसानों को करीबन 8 से 10 दिन फसल को तैयार करने में लग जा सकते है। जिसे किसानों की चिंताएं थमने का नाम नहीं ले रही है।

नपुंसक पति जेठ से संबंध बनाने पर डाल रहा दबाव

मायावती की भतीजी ने ससुरालियों के खिलाफ लिखाई रिपोर्ट

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

हापुड़। पूर्व सीएम मायावती की भतीजी ने कोतवाली क्षेत्र के बैंक कालोनी के ससुराल पक्ष के लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि अतिरिक्त दहेज में फ्लैट व 50 लाख रुपयों की मांग कर विवाहिता को प्रताड़ित किया गया। पति के नपुंसक होने पर बच्चा पैदा करने लिए विवाहिता पर जेठ के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया गया।

जेठ व ससुर ने विवाहिता के साथ दुष्कर्म का प्रयास भी किया गया। कोतवाली व एसपी से शिकायत के बाद रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। अब न्यायालय के आदेश पर नगर कोतवाली में विवाहिता के पति समेत सात नामजद आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में दिल्ली के इंदरपुरी साउथ क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि बसपा सुप्रीमो व पूर्व सीएम मायावती के के भाई की पुत्री हैं। 9 नवंबर 2023 को उसकी शादी हापुड़ कोतवाली क्षेत्र के बैंक कॉलोनी के विशाल के साथ हुई थी। आरोपितों ने पीड़िता पर उसकी बुआ बसपा सुप्रीमो मायावती से एक फ्लैट व 50 लाख रुपये लाने का दबाव बनाया। विरोध पर आरोपित पीड़िता के साथ मारपीट करने लगे। शादी से पूर्व ही पति बॉडी बनाने के चक्कर में स्टेरायड के इंजेक्शन लगाता था। इस कारण पति नपुंसक हो गया। जिसके बाद वह पीड़िता से अलग रहने लगा। बच्चा पैदा करने के लिए ससुराल पक्ष के लोगों ने पीड़िता पर जेठ से शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया।

पूरे प्रदेश में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि

सीएम ने दिए जिलाधिकारियों को भ्रमण और सर्वे के निर्देश

» स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें। आकाशीय बिजली, आंधी तूफान,बारिश, वज्रपात आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें। घायलों का समुचित उपचार कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि वर्तमान में गतिमान गेहूं की सरकारी खरीद के दृष्टिगत मंडियों सहित सभी खरीद केंद्रों पर गेहूं के सुरक्षित भंडारण का पूरा ध्यान रखा जाए। अधिकारीगण सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस संबंध में अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

कई जगह गिरी बिजली, पांच की मौत

यूपी के विभिन्न हिस्सों में बृहस्पतिवार को अचानक मौसम बिगड़ गया। कई जिलों में बारिश, ओलावृष्टि और आंधी के साथ आकाशी बिजली गिर गई। आकाशीय बिजली गिरने से फिरोजाबाद, सिद्धार्थ नगर और सीतापुर में पांच लोगों की मौत हो गई। सीएम योगी ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को प्रभावित इलाकों का दौरा करने और प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अपर जिलाधिकारी विशू राजा ने बताया कि बिजली गिरने की पहली घटना तहसील सदर क्षेत्र नारखी थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर में घटी जिसमें खेत पर काम कर रही महिला ललिता देवी (30) की आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु हो गई। दूसरी घटना थाना जसराना क्षेत्र के गांव चनारी की है जहां खेत पर काम कर रहे किसान पदम वीर सिंह (32) की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।

तुम्हारा रेप हुआ इसकी तुम ही जिम्मेदार: कोर्ट

रेप केस में जज ने सुनाया फैसला, पीड़िता को जिम्मेदार बता आरोपी को दी जमानत!

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां इलाहबाद हाई कोर्ट ने दुष्कर्म के मामले की सुनवाई के दौरान कुछ ऐसा कह दिया जिसने सभी को हैरान कर दिया। दुष्कर्म का ये मामला पिछले साल सितंबर का है। यहां एक कॉलेज छात्रा ने एक युवक पर अपने साथ नशे की हालत में रेप जैसे जघन्य अपराध को अंजाम देने का आरोप लगाया था। दुष्कर्म का मामला दर्ज होने के बाद आरोपी को पिछले साल ही अरेस्ट कर लिया गया था।

दोनों की मुलाकात दिल्ली के एक बार में हुई थी, जहां रात के तीन बजे तक दोनों ने डांस किया था। जिसके बाद आरोपी लड़की के साथ अपने एक परिचित के घर गया। जहां उनके बीच संबंध बने। उसका कहना था कि वो नशे में थी और आरोपी ने इसका फायदा उठाते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया।